Jagran

मुख्य परीक्षा के पैटर्न में बीपीएससी ने किया बदलाव

पटना। बीपीएससी ने संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा की संरचना एवं पाठ्यक्रम में संशोधन किया है। प्रारंभिक परीक्षा दो घंटे की होगी। इसमें सामान्य अध्ययन का पेपर होगा जिसके लिए 150 अंक निर्धारित होंगे। इस परीक्षा के आधार पर रिक्तियों की संख्या के 10 गुना उम्मीदवार मुख्य परीक्षा में शामिल होने के लिए पात्र होंगे। प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्णता अनिवार्य होगी।

वहीं मुख्य परीक्षा की संरचना में आंशिक बदलाव किया गया है। एक पेपर सामान्य ¨हदी का होगा जो 100 अंकों का होगा। इस पेपर में पास होने के लिए न्यूनतम 30 फीसद अंक लाने होंगे। सामान्य ¨हदी के पेपर में प्राप्त अंक मेधा सूची में जोड़े नहीं जाएंगे।

इसके अलावा सामान्य अध्ययन के दो पेपर होंगे। पहले ये पेपर 200-200 अंक एवं तीन-तीन घंटे अवधि के होते थे। अब ये 300-300 अंक के होंगे। इसकी अवधि तीन-तीन घंटे ही रहेगी इन पेपरों के प्राप्तांक मेधा सूची में शामिल होंगे।

पहले मुख्य परीक्षा में दो ऐच्छिक विषय के दो-दो पेपर होते थे। प्रत्येक पेपर 200 अंक का होता था। दोनों ऐच्छिक पेपर के दो-दो पेपर कुल मिलाकर 800 अंक के होते थे। अब उम्मीदवारों को मात्र एक वैकल्पिक विषय का चयन करना होगा। एक वैकल्पिक विषय के दोनों पेपरों को मिलाकर 300 अंकों का मात्र एक ही प्रश्नपत्र होगा। इसकी अवधि एक घंटे की होगी। सामान्य अध्ययन के प्राप्तांक एवं ऐच्छिक विषय के प्राप्तांक के आधार पर मेधा सूची तैयार होगी। उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के ऐच्छिक विषय के पेपरों के उत्तर ¨हदी, अंग्रेजी या उर्दू में दे सकते हैं।

इंटरव्यू के अंक घटे :
मुख्य परीक्षा में सफल उम्मीदवारों का साक्षात्कार 150 अंकों के स्थान पर 120 अंकों का होगा। ये नंबर मेधा सूची में जुड़ेंगे।
मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए पहले 1350 (1200 + 150) अंक निर्धारित थे। अब मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार मिलाकर 1020 (900 + 120) अंक के होंगे।